

① भारत की भौतिक विशेषताएँ
(Physical or Geographical Features of India)

भारत के उत्तर हिस्से में हिमालय की श्रृंखला है जो देश को उत्तर से सुरक्षित रखती है और उत्तर की सीमाएँ निर्धारित करती हैं।

दक्षिण भारत में हिमालय के पश्चिमी हिस्से में (हिमालय) के हिस्से में एक छोटी श्रृंखला है। यह भारत के दक्षिण हिस्से में विस्तृत है, यह भारत को दक्षिण में से घेरता है और हिमालय के दक्षिण में स्थित है। इसकी कुल लंबाई 18 लाख मीटर है। इसकी चौड़ाई 800 से 1000 मीटर के बीच है।

भारत में उत्तर-दक्षिण की दिशा में दो मुख्य श्रृंखलाएँ हैं।

1. उत्तरी क्षेत्र (North Region):- यह क्षेत्र पश्चिम, उत्तर, दक्षिण-पश्चिम, मध्य और दक्षिण में पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा हुआ है।
2. मध्य क्षेत्र (Central Region):- यह क्षेत्र उत्तर में हिमालय, दक्षिण में पश्चिम में पश्चिमी गंगा-यमुना मैदान की दिशा में फैला हुआ है।
3. पश्चिमी क्षेत्र (Western Region):- यह क्षेत्र पश्चिम में, उत्तर में, दक्षिण में और पूर्व में फैला हुआ है।
4. पूरबी क्षेत्र (Eastern Region):- यह क्षेत्र पूर्व में, दक्षिण में, पश्चिम में और उत्तर में फैला हुआ है।
5. दक्षिणी क्षेत्र (Southern Region):-

उत्तर हिम माला की यह श्रृंखला है जो हिमालय-
श्रृंखला के उत्तर हिस्से में, उत्तरी पर्वत श्रृंखला-
श्रृंखला है। इस हिस्से में उत्तरी पर्वत, मंगलापर्वत, रत्नाकर,
भांगपर्वत, बंगल मठे उमिलनाथ के श्रृंखला आते हैं।

उत्तर की बुर्गेलियर श्रृंखला की हिस्से में हिमालय
हिस्से में बि. हिमालय हिस्से में पाए जाते हैं कि हिमालय के
मध्य हिस्से में - पर्वत, मैदान मठे पर्वत - मठे हिस्से में
हिस्से में पाए जाते हैं। हिमालय हिस्से में हिमालय पर्वत
हिस्से में पाए जाते हैं मठे पर्वत मठे पर्वत मठे पर्वत, मध्य हिस्से
में मध्य मैदान मठे मठे उत्तरी हिस्से में पर्वत मठे पर्वत मठे पर्वत
मध्य हिस्से में बुर्गेलियर हिमालय मठे पर्वत मठे पर्वत मठे पर्वत
उत्तर हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में

हिमालय पर्वत मठे हिमालय पर्वत मठे
पर्वत मठे पर्वत मठे पर्वत (The Himalaya Mountains And
Its Eastern And Western Ranges):-

'हिमालय' का हिम + मालिका का अर्थ है हिम का
घाट का पर्वत। यह श्रृंखला उत्तर हिस्से में उत्तरी हिस्से में
उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में
उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में
उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में
उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में
उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में
उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में

हिमालय पर्वत मठे हिमालय पर्वत मठे
उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में
उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में
उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में
उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में
उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में उत्तरी हिस्से में

घरूत तल छै गउरे ज। एतुं दे न्नाठ-यठ न्नाहा घउउ रठक है। न्हें गठमी दे रठं हिर एधे घठू इध पिपलरी है उं मठे एतुं हठिन्ना दे गरी इध ह्यठ है। एतुं हठिन्ना ही न्निन्ना उठारी न्ना न्नाहा न्नाही ही मठूत न्ना उठ दे राठू जी उठ हठे न्नाही न्ना मँय वल हिर उठ उठे उठे न्नी है।

उठे हिर न्निन्ना उं न्निन्ना यठउ हीन्ना है मँय न्नाहा उठ -

(3) न्निन्ना हीन्ना यठू न्नाहा (Eastern Ranges of the Himalayas):-

यठू हठे न्निन्ना हीन्ना यठउ एहीन्ना हिर न्नी मँय उं हठ हल न्नीन्ना न्नीन्ना न्ना एतुं न्नाहा हिर यठेही, न्ना, न्नाही, न्नीन्ना, न्नीन्ना न्ना गठे न्नाही हीन्ना यठूहीन्ना ज। एतुं यठउ न्नाहा हिर मँय ही मउ उं हँय मल्ल न्ना हठू उठे है। एतुं यठउ न्नाहा हिर घउउ मँय न्नी न्नीन्ना ज न्निन्ना है न्नीन्ना घउउ मँय न्नी है। एतुं हिर न्नी न्नीन्ना न्ना न्नीन्ना न्नीन्ना न्नीन्ना ज।

(4) न्निन्ना हीन्ना यठू न्नाहा (Western Ranges of the Himalayas):-

न्हें-न्हें न्नीन्ना न्निन्ना यठउ है न्ना-नल यठू हल ह्यठे न्नीन्ना यठउ ही न्नीन्ना न्नीन्ना है। उठउ है उठू यठू न्नीन्ना उं न्नीन्ना न्निन्ना हीन्ना यठू न्नाहा न्नीन्ना न्नीन्ना उठ यठू न्नीन्ना ज। यठू हिर एतुं न्नाहा न्नीन्ना घउ दे न्नीन्ना ज। एतुं न्नाहा है मँय यठउ न्नीन्ना न्नीन्ना, न्नीन्ना यठउ, न्नीन्ना यठउ न्नीन्ना न्नीन्ना यठउ। न्हें न्नीन्ना न्नीन्ना न्नीन्ना है न्नीन्ना यठउ ही न्नीन्ना यठू न्नाहा है न्नीन्ना हिर

ਬਹੁਤ ਘੱਟ ਹੈ।

ਪੱਛਮੀ ਪੱਥਰ ਸ਼ਾਬਦਾਂ ਵਿਚ ਮੁੱਖ ਹੋ ਜਾਂ -
ਬੈਂਬਰ, ਰੁਮ, ਟੋਰੀ, ਗੋਮਲ ਅਤੇ ਬੈਲਾਨ ਹੋ। ਇਹਾਂ ਵਿਚ
ਮਤ ਤੋਂ ਮੱਤਪੂਰਣ ਬੈਂਬਰ ਦਾ ਹੋਂਦ ਹੈ। ਇਹ ਭਾਰਤ ਦੇ ਬਹੁਤ
ਉੱਚਾਈ ਪੂਰੇਮ ਨੂੰ ਅਠਗਾਹਿਮਤਾਨ ਅਤੇ ਪੇਸ਼ੀਆ ਦੇ ਤੋਂ
ਦੇਸ਼ਾਂ ਨਾਲ ਜੋੜਦਾ ਹੈ। ਇੰਦੋਸੀਆਂ ਨੇ ਭਾਰਤ ਉੱਚ ਸਿੰਨਾਹਤ
ਅਸਲੇ ਇਸੇ ਹੋ ਦੇ ਗੀਂ ਤੇ ਰੀਤੇ ਮਨ। ਇਸ ਹੋ ਹੀ ਉੱਚੀ
ਮਰੀਫ਼ਤ ਤਲ ਤੋਂ ਵੇਲ 3400 ਫੁੱਟ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਇਸਨੂੰ
ਲੰਪਾ ਮੁਸਰਲ ਨੀਂ ਹੈ। ਬੈਲਾਨ ਦੋ ਬਲਿਮਤਾਨ ਨੂੰ
ਮਿਥ ਖ਼ਾਤ ਨਾਲ ਮਿਲਾਉਂਦਾ ਹੈ।

2. ਗੰਗਾ ਅਤੇ ਸਿੰਧ ਦੇ ਉੱਤਰੀ ਮੈਦਾਨ (The Northern Plains of The Ganga And The Sindh)

ਗੰਗਾ ਅਤੇ ਸਿੰਧ ਦਾ ਹਿਮਾਲ ਉੱਤਰੀ ਮੈਦਾਨ ਪੂਰਬ ਵਿਚ ਅਸਮ
ਵਿਚ ਬ੍ਰਹਮਪੁੱਤਰ ਦੀ ਘਾਟੀ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਪੱਛਮ ਵਿਚ ਸਿੰਧ ਖ਼ਾਤ
ਵਿਚ ਸਿੰਧ ਨਦੀ ਦੇ ਡੈਲਟੇ ਤੱਕ ਉੱਤਰ ਵਿਚ ਹਿਮਾਲ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ
ਉੱਚ ਵਿਚ ਇੰਦੋਸੀਆਂ ਪੱਥਰ ਮਾਲਾ ਤਕ ਫੈਲਿਆ ਹੋਇਆ
ਹੈ। ਇਸਦੀ ਲੰਬਾਈ ਲਗਭਗ 1500 ਮੀਲ ਅਤੇ ਚੌੜਾਈ 100
ਮੀਲ ਤੋਂ 500 ਮੀਲ ਤੱਕ ਹੈ। ਇਹ ਮੈਦਾਨ ਹਿਮਾਲਾ ਅਤੇ ਉੱਚ
ਪੱਥਰਾਂ ਤੋਂ ਨਿਕਲਣ ਵਾਲੀਆਂ ਨਦੀਆਂ - ਸਿੰਧ, ਮਤਪੂਰ, ਚਿੰਬ, ਗਦੀ,
ਚਨਾਬ, ਜੇਹਲਮ, ਜਮੁਨਾ, ਗੰਗਾ, ਗੋਮਤੀ, ਗੰਡਰ, ਘਾਗਰਾ,
ਬ੍ਰਹਮਪੁੱਤਰ, ਚੰਬਲ, ਸੋਨ ਅਤੇ ਬੈਰਹਾ ਅਤੇ ਹੁਆਗ ਖ਼ੁਬ -
ਖ਼ੁਬ ਕੇ ਲਿਕਾਰੀ ਗਦੀ ਉੱਚਾਈ ਮਿੱਟੀ ਤੋਂ ਬਣਿਆ ਹੈ।

ਗਰਮਬਾਨ ਵਿਚ ਸਥਿਤ ਅਗਵਲੀ ਪੱਥਰ ਮਾਲਾ ਇਸ ਮੈਦਾਨ
ਨੂੰ ਦੋ ਮੁੱਖ ਭਾਗਾਂ ਵਿਚ ਵੰਡਦੀ ਹੈ।

ਪੱਛਮ - ਗੰਗਾ ਦਾ ਮੈਦਾਨ ਜਾਂ ਪੂਰਬੀ ਮੈਦਾਨੀ ਭਾਗ :- ਇਸਦੇ

ਅੰਤ ਅਗਵਲੀ ਪੱਥਰ ਦੇ ਪੂਰਬ ਵਿਚ ਸਥਿਤ ਮੈਦਾਨੀ
ਭਾਗ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਇਸਦੇ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿਚ ਗੰਗਾ ਅਤੇ ਬ੍ਰਹਮਪੁੱਤਰ

ii) अडे ड्रॉन हीमां मगदिर तरीमां मॉउदयुक्त तीमां ज।
उँयगी मीगा प्वाटी नां मीगा-रमुता हेमाध :-
 गीगा अडे

रमुता हे दिरराग हा उगा।

iii) मँय मीगा प्वाटी :-
 रिम दिर रि युग्धी उँउं पूरेम
 अडे धिगत हे पूरेम अडिँरे ज।

iv) निमत मीगा प्वाटी हा डैलटा :-
 रिम दिर रि धीगल
 धीगल हेम अडे घुगम युँउं अडे रिम हीमां मगदिर
 तरीमां हे पूरेम - आमाग, अरुताउल, तामालँड, मिग्रेम
 महीपुठ अडे मेवाकिमा अरि अडिँरे ज।

दुगा - मिय हा मैरात नां यँडमी मैराती उगा :-
 रिम मैराती

उगा अगदली पठघट अडे रमुता हे उँउं यँडमी उगा
 दिर मखिउत है। रिम पूरेम मिय अडे रिम हीमां
 मगदिर तरीमां (मडलुग, धिआम, गही, उताघ अडे
 गेउम) अरि उँ धरिमा है। यँडमी मैराती उगा
 दिर युग्धी मैराती उगा ही धराहे हवा पँट उरी है।
 रिम हे गरमवत हे रही उगां दिर उं उगउ दिर मउ
 उँ पँट हवा हाके उगा मखिउत ज।

3. रँवही पठाग (The Deccan Plateau)

डिँत पारिमां उँ पठघट मालां (उँउं दिर दिरिमाठक
 अडे मडपुला, युग्ध दिर युग्धी प्वाट अडे यँडम दिर
 यँडमी प्वाट) तल पारिमा उँदिमा डिरेही आरामर
 रँवही उगउ हा उगा रँवह हा पठाग अखहाँरा है।
 रिम ही उमी पठागी अडे पवगीली है। रिम लही रिमे
 उपर पँट उरी है। उगां पारिमां उँ पठघटं तल पारिमा

उहे रागधु एिधे मरिभुन योहां नगीं यरुं अरहीमां ।
 एिम लही दृगवा ही पॉट उरी ॥ एिम पूरेम एिह हें
 नहीमां नगमरा अडे उपडी अगध मागध एिह अिलहीमां
 न नरे रि उं मख नहीमां - मां नही, गंराहमी श्रिमक
 अडे राहेंगी युगध हल दृगिहीमां न अडे षडी धीगल
 एिह अिलहीमां न ।

एिं हें अापही उगी लही श्रिमारा अिलक
 रही पंही ॥ एिमे बुगकिर एिमेमडा हे रागधु एिधे
 हे दृग्री मगडे हीर, मागमी अडे मगल मुगल हे मक।
 एिही पूरेम यगही अडे यगही ॥ एिम लही एिह
 गगीला नुप युहाही हे लही ही धउड डुपनेमी ॥
 एिमे नुप युहाही ही मगकिमां हे मगल हे हिये
 उट वे हउडे रीडी मी। एिही यगध हे डुडु-यंठमी
 उग एिह पाही भाह दृगही राही मिंही हे एिहारे रयण
 ही डुपन लही धउड डुपनेमी न। एिही उगड एिह
 रही हें न ।

५ युग्धी अडे यंठमी उं हे मैरान (Eastern And Western Coastal Plains):-

एिह मैरान युग्धी अडे यंठमी पाट हे नाल नाल मागगी
 उं उं डे उं उं न। युग्धी उं यंठमी उं ही धराहे
 श्रिमारा हें न ।

युग्धी उंही मैरान :-

धीगल ही षडी अडे युग्धी पाट
 हे एिहारा हउ एिह एिह दृगिहीमां उं एिहमां ॥ एिमही
 हें नही 160 उं 500 किलोमीटर उं न। एिमही श्रिमारा
 हें नही उं हे रा रागधु एिह ॥ रि एिही उगड हीमां रही
 नहीमां एिम हल दृगिहीमां न।

यंठमी उंही मैरान :-

एिह मैरान मागड ही षडी धीगल

उं छै रे र्वष्ट छिइ शक्तिमा सुभागी उर दैलिमा उंछिमा
उं । छिमेरे पुग्घ छिइ यँडमी प्पाट क्कउे यँडम छिइ
क्कग्घ मागगं उं । छिमेरे उँडाणी लगडग ४५ रिसेमीटर
उं ।